

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड  
देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून-दिनांक

01 अगस्त

अक्टूबर-2007

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2007-08 में ट्राईबल सब प्लान के अन्तर्गत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विसोगिलानी, देहरादून के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं०-5(ख)/27383/स्वीकृति/2007-08, दिनांक 27.8.2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय ट्राईबल सब प्लान के अन्तर्गत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विसोगिलानी, देहरादून के भवन निर्माण हेतु पूर्व में स्वीकृत धनराशि रु० 21.00 लाख को समायाजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रु० 58.65 लाख के सापेक्ष चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में रु० 38.65 लाख (रु० अड़तीस लाख, पैसठ हजार मात्र) की धनराशि को प्रश्नगत योजनान्तर्गत शासनादेश संख्या-1010/XXIV-3/07/02(20)/2007, दिनांक 03 अगस्त, 2007 द्वारा आपके निर्वर्तन पर रखी गयी धनराशि रु० 90.00 लाख में से व्यय करने की सह्य स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उल्लिखित विद्यालय जनजाति बाहुल्य क्षेत्र के ग्रामों/वार्डों में स्थित होने पर ही धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- 2- आगणन में उल्लिखित दरों का विस्तरेण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों पर तथा जो दरें शिडयूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन करना आवश्यक होगा, तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- 3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- 4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा, जितना कि स्वीकृत नामंस हैं। स्वीकृत नामंस से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 5- एक मुस्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाय।
- 6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें। विलम्ब के कारण आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
- 7- कार्य कराने से पूर्व समस्त स्थल का भलीभांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य कर लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद का दूरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री को किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 10- जी०पी०डब्ल्यू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।

अभिप्रेत

- 11- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण का विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाय तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दें एवं डिग्री कॉलेजों/मेडिकल के हॉस्टलों का निर्माण एच0आई0सी0 के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगणन गठित किये जायें।
- 12- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित कराते समय कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 13- निर्माण की गुणवत्ता के लिए सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी उत्तरदायी होगी।
- 2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याक्षा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।
- 3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-31 के अधीन लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा खेलकूद, कला तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय- 01- सामान्य शिक्षा-796-जनजातीय क्षेत्र उपयोजना-03 माध्यमिक विद्यालयों के भवनों का निर्माण/ जीर्णोद्धार-24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-500(P)/वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2007, दिनांक 15 अक्टूबर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)  
सचिव

संख्या-1253(1)/XXIV-3/07/02(79)/2006, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षामंत्री जी, उत्तराखण्ड सरकार।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 6- अपर सचिव, समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 8- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 9- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 10- जिला शिक्षा अधिकारी, देहरादून।
- 11- बजट सज्जकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर।
- 12- वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 13- कार्यालय मा0 मुख्यमंत्री, घोषणा अनुभाग।
- 14- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 15- सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी।
- 16- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी0एल0शाह)  
उप सचिव

अति

21/11/07 003-122